कृष्णामूर्ति पद्धति विषय सूची

क्र.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	कृष्णामूर्ति पद्धति के जनक	1
	♦ कृष्णामूर्ति पद्धति के जनक	
2.	नक्षत्रों का विभाजन	5
	♦ कृष्णामूर्ति पद्धति में नक्षत्रों का विभाजन	
	♦ उपनक्षत्र की अवधि की गणना	
	♦ यूनिवर्सल टेबल	
	♦ यूनिवर्सल टेबल के कुछ लघु नियम	
3.	कृष्णामूर्ति पद्धति द्वारा कुंड़ली निर्माण	15
	♦ ग्रह स्पष्ट कुंड़ली	
	♦ निरयन भाव चलित कुंड़ली	
	♦ के.पी. सिग्नीफिकेटर	
	♦ ग्रह कारकतत्व	
	♦ भाव स्पष्ट सिग्नीफिकेटर	
	♦ ग्रह स्पष्ट सिग्नीफिकेटर	
	♦ शीघ्र लग्न निकालना	
4.	कृष्णामूर्ति पद्धति में निरयन भाव चलित का महत्त्व	25
	♦ कृष्णामूर्ति पद्धति में निरयन भाव चलित का महत्त्व	
5.	उपनक्षत्र का महत्त्व	29
	♦ उपनक्षत्रों के महत्त्व का फलित ज्ञान	
6.	कृष्णामूर्ति पद्धति सिद्धान्त फलादेश	33
	♦ अति सरल कृष्णामूर्ति पद्धति	
	♦ कृष्णामूर्ति पद्धति सिद्धान्त फलादेश	
7.	शासक ग्रह (रुलिंग प्लेनेट)	39

♦ शासक ग्रहों के विषय में जानकारी

♦ शासक ग्रहों को चलाना

♦ 2 घंटे के लिए लग्न चलाना

♦ 24 घंटे के लिए लग्न चलाना

♦ चंद्रमा को चलाना

♦ सूर्य को चलाना

♦ कहाँ तक चलाना है

8. **प्रश्न कुंड़ली** 59

♦ प्रश्न कुंड़ली के माध्यम से जल्दी परिणाम प्राप्त करना

♦ प्रश्न कुंड़ली

♦ प्रश्न कुंड़ली के द्वारा फलित ज्ञान उदाहरण सहित

♦ प्रश्न कुंड़ली रूल

♦ प्रश्न कुंड़ली से संबंधित तथ्य

9. **दशा व अंतर्दशा का फलित ज्ञान (सामान्य रूप से)** 71

♦ दशा फलित 2 लेवल की दशा

♦ दशा फलित 3 लेवल की दशा

♦ दशा का फलित किस प्रकार करें

10. **हिड़न स्क्रीप्ट एंड़ प्रेड़िक्टीव रुल्स ऑफ के.पी.** 77

♦ प्रेड़िक्टीव रुल्स ऑफ के.पी.

♦ टेनेंटेड़/अनटेनेंटेड़

♦ भावों का फलित (आधुनिक रूप से)

♦ दशाओं का फलित (आधुनिक रूप से)

11. **दशा–भुक्ति–अंतरा और उपनक्षत्रों पर गोचर ज्ञान** 87

♦ दशा भुक्ति व गोचर ज्ञान

♦ गोचर

♦ जन्म कुंड़ली में गोचर का प्रयोग

♦ उपनक्षत्र का गोचर में प्रयोग

♦ दशा भुक्ति को गोचर में कैसे प्रयोग करें

♦ दशा व गोचर का निष्कर्ष

12. भावों के अनुसार फलादेश की विधि 105

♦ के. पी. ज्योतिष में सिद्धांत उपनक्षत्र और प्रासंगिक भाव

♦ के. पी. में 'उपनक्षत्र' क्या है?

13. पहला भाव–1 109

♦ लम्बी आयु

♦ बीमार व्यक्ति

♦ कम आयु

♦ नाम और प्रसिद्धि

♦ सन्यासी

♦ अच्छा स्वास्थ्य

♦ भौतिक विशेषताएं

14. दूसरा भाव–2 113

♦ वाणी में दोष

♦ मुकदमा या पदोन्नति मिलना

♦ दूसरी शादी

♦ धन की स्थिति

♦ वाक्शुद्धि

♦ आर्थिक स्थिति

15. तीसरा भाव–3 117

♦ टेलीफोन मिलना

♦ लॉटरी से लाभ

♦ प्रतियोगिता परीक्षा

♦ पत्रकारिता (जर्नलिज्म)

♦ अपील में सफलता

♦ सुनने व बोलने में दोष

♦ ट्रान्सफर

16. चौथा भाव–4 127

♦ अस्पताल से छुट्टी

♦ घर का निर्माण

♦ क्या कोई बच्चा गोद लिया जाएगा

♦ करियर गर्ल से शादी करेगा

♦ जेल से रिहा

♦ शिक्षा के बारें में

♦ बिल्ड़िंग से लाभ

♦ नौकरी में स्थानांतरण

♦ निवास स्थान में परिवर्तन

♦ प्रतियोगी परीक्षा

♦ शिक्षा

♦ शिक्षा से जुड़े कुछ बिंदु

♦ कौन सा बच्चा क्या पढ़ाई करेगा अर्थात् किस दिशा में जायेगा

♦ ग्रेजुएशन के बाद का अगला क्षेत्र क्या होगा

17. पांचवां भाव–5 143

♦ संतान का जन्म

♦ मनोरंजन

♦ सट्टा लाभ

- संगीत
- प्रेम विवाह
- प्यार में ब्रेक–अप
- प्रतिष्ठा का ह्रास होना
- राजनेता
- बच्चा गोद लेने की प्रक्रिया

18. छठा भाव–6 151

- कमजोरी, चिंताओं, खतरों व संपत्ति की हानि से गुजरना
- अस्पताल में भर्ती
- पदोन्नति
- नौकरी में बहाली के लिए
- मुकदमेबाजी में सफलता
- रोग से संबंधित या असाध्य रोग
- किरायेदार कब घर खाली करेगा?
- ऋण प्राप्त करना
- सरकारी नौकरी
- पालतू पशु और मामा
- बीमारी
- कोई बीमारी कब ठीक होगी?
- उपनक्षत्र स्वामी के अनुसार बीमारी का स्वरुप
- नौकरी और रोग से संबंधित कुछ बिंदु
- इंटरव्यू सिलेक्शन
- रोग के प्रकार की जाँच करें

19. सातवां भाव–7 163

- विवाह

- शादी का रुकना
- जीवनसाथी या व्यापार की सांझेदारी
- शक्तिशाली प्रतिद्ववंदी या साथी
- वैवाहिक जीवन कैसा होगा
- दूसरी शादी
- ज्योतिषी परामर्श
- व्यापार में सांझेदार
- विवाह का न होना
- प्रेम संबंध
- किसकी शादी किससे होगी
- अस्वभाविक एवं असंवैधानिक संबंध

20. आठवां भाव–8 173

- ऋण वापिस करना
- आत्महत्या
- दुर्घटना के बारें में
- सर्जरी
- अप्रत्याशित धन
- लाइफ कैसी होगी?
- दुर्घटनाएं

21. नौवां भाव–9 177

- पिता की दीर्घायु
- पैतृक संपत्ति
- तीर्थयात्रा
- ज्योतिषी कौन बनेगा?
- उच्च शिक्षा

♦ भाग्य में कमी

♦ कुंड़ली में फॉर्च्यूना पॉइंट

22. दसवां भाव–10 183

♦ पदोन्नति के लिए

♦ इनकम टैक्स ऑफिस से परेशानी होगी

♦ व्यवसाय या सर्विस?

♦ नौकरी में बहाली के लिए

♦ बुरी आदतें

♦ 10वें भाव के कुछ नियम

♦ राजनीति

♦ सरकारी नौकरी

♦ प्रोफेशन के नियम (स्वयं)

♦ नक्षत्र प्रोफेशन को दर्शाता है

♦ 1–249 उपनक्षत्रों के अनुसार प्रोफेशन

23. ग्यारहवां भाव–11 227

♦ पति से पुनर्मिलन

♦ खोई हुई संपत्ति की वसूली

♦ गुमशुदा व्यक्ति की वापसी

♦ इच्छापूर्ति

♦ चुनाव में जीत

♦ सहायक मित्र

♦ साक्षात्कार

♦ चुनाव में टिकट पाने के लिए

♦ मन्त्र या संगीत की दीक्षा

♦ दांपत्य जीवन में सामंजस्य

♦ रोग से मुक्ति

24. बारहवां भाव–12 231

♦ विदेश यात्राओं के लिए

♦ प्रतिष्ठा की हानि

♦ परिवार से विभिन्न तरीकों से अलग होना

♦ रिटर्न विद एक्सपेंस

♦ दोष

♦ धोखेबाज व्यक्ति

♦ विदेश से वापसी

♦ जेल से रिहा कब होगे?

25. द्वादश भावों के उपनक्षत्रों द्वारा फलित 235

♦ द्वादश भावों के उपनक्षत्रों द्वारा फलित

26. कारक ग्रह (शॉर्ट रुल्स) 243

♦ कारक ग्रह (शॉर्ट रुल्स)

27. रेमेड़ीज इन के.पी. एस्ट्रोलॉजी 251

♦ रेमेड़ीज इन के.पी. एस्ट्रोलॉजी